


अध्याय 5

# इंटरनेट अनुप्रयोग

## 5. इंटरनेट अनुप्रयोग

इंटरनेट विभिन्न सेवा सुविधायें प्रदान करता है जिसमें फाईल को एक से दूसरे जगह पहुँचाना, ई—मेल, वर्ल्ड वाईड वेब, चेट रूम, ब्लोगिंग, नोटिस बोर्ड के साथ साथ मनोरंजन एवं ऑनलाईन शॉपिंग जैसे बहुत सारी ऑनलाइन सुविधायें शामिल हैं। इसके अलावा कई सरकारी, शैक्षणिक एवं व्यवसायिक संस्थानों तथा लाखों व्यक्ति अपनी सूचनाएं कम्पयूटर में संग्रहित रखते है जिन तक टेलिफोन लाईनों, फाईबर ऑप्टीकल केबल अथवा उपग्रह संचार व्यवस्थाओं के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। इस पाठ में हम इन्टरनेट के कुछ सबसे महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के बारे में पढेंगे|

### 5.1 वेब सर्च करना

#### 5.1.1 परिचय

वेब सर्च करना एक सूचना प्राप्ति का एक तरीका है। वेब सर्च का उद्देश्य उन सभी प्रासंगिक दस्तावेजों की प्राप्ति है जो आपकी क्वेरी (Query) से सम्बन्धित हैं। किन्तु इसमें कुछ गैर प्रासंगिग दस्तावेज भी प्राप्त हो सकते है। वेब सर्च एक सर्च इंजन के द्वारा ही संभव है।




चित्र 5.1 – सर्च इंजन



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

एक वेब सर्च इंजन वह साफ्टवेयर है जिसे वर्ल्ड वाईड बेब से सम्बन्धित सूचनाओं को खोजने के लिए बनाया गया है। सर्च रिजल्ट (खोजे गये परिणामों) को सामान्यतः परिणामों की एक सूची के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जिसे "सर्च इंजन रिजल्ट पेज" (एस.ई.आर.पी.) कहा जाता है। सूचना वेब पेज, छवियों, और अन्य कई तरह की फाइलों का मिश्रण हो सकता है। कुछ सर्च इंजन डाटा बेस अथवा ओपन डायरेक्ट्रीज (Open Directories) से भी डाटा माईन (खोज) करते हैं।

एक सर्च इंजन वास्तविक समय में निम्नलिखित प्रक्रियाओं को संभालता है:

1. वेब क्रालिंग (रेगना)/वेब स्पाइडर

2. इंन्डेक्सिंग (अनुक्रमण)

3. सर्चिंग (खोजना)

एक **वेब क्राउलर** वह इंटरनेट बोट (bot) है जो वेब अनुक्रमण (इन्डेक्सिंग) के लिये वर्ल्ड वाईड बेब को व्यवस्थित तरीके से ब्राउज करता है। सर्ज इंजन बेब क्राउलिंग या स्पाइडर साफ्टवेयरों का उपयोग अपनी वेब कन्टेंट (सामग्री) या दूसरी वेबसाइट के कन्टेंट (सामग्री) अनुक्रमण को अद्यतन(अपडेट) बनाने के लिये करते हैं। वेब क्राउलर विजिट किये गए सभी पृष्ठों की प्रतिलिपि (कॉपी) तैयार कर प्रस्तुत कर सकता है जिसके डाउनलोड किये गए पेजों को बाद में सर्च इंजन द्वारा अनुक्रमित किया जा सकता है जिसे उपयोगकर्ता और अधिक कुशलता से खोज सकता है।

**इंन्डेक्सिग** (अनुक्रमण) अनुक्रमण का अर्थ वेबपेज पर पाए गये सम्बन्धित शब्दों और परिभाषित हो सकने वाले टोकनो को उनके डोमेन-नाम और एच.टी.एम.एल. (HTML) फील्ड से जोड़ना है | इनका जोड़ सार्वजनिक डेटा बेस में किया जाता है जो वेब सर्च क्वेरी के लिये उपलब्ध रहता है। यूजर द्वारा एक शब्द के रूप में भी क्वेरी की जा सकती है। अनुक्रमण (इंडेक्स) सम्बन्धित सूचनाओं को शीघ्र से शीघ्र खोजने में मदद करता है।

आम तौर पर जब कोई यूजर कोई क्वेरी करता है तो वह कुछ शब्दों का समूह होता है। इन्डेक्स में निहित तौर पर उन सभी वेबसाईट के नाम होते है जहाँ क्वेरी शब्दों के कीवर्ड होते हैं एवं उन्हें तत्काल या क्षणिक तौर पर इंडेक्स से प्राप्त किया जा सकता है | वास्तविक प्रोसेसिंग लोड इन वेब-पेज (खोजे गए परिणामों) को सूचीबद्ध करने में लगता है

सच इंजन की उपयोगिता परिणामों की प्रासंगिकता पर निर्भर करती है | उसी शब्द /शब्दाशों से सम्बन्धित जानकारी लाखों वेबसाइटों पर उपलब्ध होती है लेकिन उनमें से कुछ पेज दूसरों की तुलना में क्वेरी से अधिक प्रासंगिक एवं लोकप्रिय हो सकते हैं। अधिकतर सर्च इंजन परिणामों की रैंकिंग करके सबसे अच्छे परिणामों को सर्च रिजल्ट के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

कौन सा पेज सबसे ज्यादा मैच करता है, किस क्रम में परिणामों को दिखाया जाना है यह सुनिश्चित करने की प्रक्रिया हरेक सर्च इंजन में अलग अलग होती हैं | शोध के अनुसार, आज सबसे ज्यादा लोकप्रिय सर्च इंजन जिन्हें इंटरनेट समुदायों द्वारा अत्यधिक काम में लिया जा रहा है वो निम्न हैं:

1. गूगल
2. बिंग
3. याहू
4. बायडू
5. एओएल (जिसे पहले अमेरिकन आनलाईन कहा जाता था)
6. आस्क
7. लाइकोस

**गूगल सर्च जिसे सामान्यत: गूगल वेब सर्च या गूगल कहकर संबोधित किया जाता है, गूगल इनकारपोरेशन का**



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

**एक वेब सर्च इंजन है | यह वर्ल्ड वाइड वेब पर सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला सर्च इंजन है**, जिसमें हर रोज तीस करोड़ से अधिक सर्च किये जाते हैं | गूगल के सर्च-रिजल्ट पेज का आर्डर "पेजरैंक" नामक पेटेंटेड प्रायोरिटी रैंक अलगोरिथम पर आधारित है |




चित्र 5.2 – गूगल सर्च

गुगल सर्च का मुख्य उद्धेश्य वेब सर्वर पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध दस्तावेजों में शब्दों की खोज करना है ना कि डेटाबेस में उपलब्ध चित्र या डाटा में खोजना । यह मूल रूप से 1997 में लेरी पेज और सर्गेइ ब्रिन द्वारा विकसित किया गया था।

बिंग भी एक वेब सर्च इंजन है जिसे पहले लाईव (Live) सर्च, विंडोज लाइव सर्च एवं एम.एस.एन. सर्च (MSN सर्च) के नाम से भी जाना जाता था । इसे "डिसिजन इंजन" के रूप में माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विज्ञापित किया गया था । **बिंग** का अनावरण 28 मई 2009 को माईक्रो साफ्ट के सीईओ स्टीव बाल्बर द्वारा किया गया।




चित्र **5.3** – बिंग सर्च

## 5.1.2 यू-टयूब —ऑन लाईन विडियो खोज

यू-टयूब विडियो शेयरिंग एवं विडियो सर्च वेबसाइट है जिसका मुख्यालय सेन ब्रूनो, केलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में है। इस सेवा की शुरुआत फरवरी 2005 में पेपाल (PayPal) के तीन पूर्व कर्मचारियों द्वारा की गई जिसे नवम्बर 2006 में गूगल द्वारा 1.66 बिलियन (dollar) में खरीदा गया जो कि अब गूगल की एक सहायक कंपनी के रूप में कार्यरत है।




चित्र 5.4 – यू ट्यूब

यह साईट उपयोगकर्ताओं को विडियो अपलोड करने, डाउनलोड करने, देखने एवं साझा करने की अनमुति प्रदान करता है जो यूजर-जनित और कॉर्पोरेट मीडिया विडियोज के विविध विडियो को प्रदर्शित करने वाली उन्नत विडियो प्रसंस्करण टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है | सर्च हेतु उपलब्ध कंटेंट में विडियो क्लिप, टीवी क्लिप्स, संगीत विडियो, और अन्य कंटेंट होता है जैसे कि विडियो ब्लोगिंग, लघु मूल विडियों तथा शैक्षणिक विडियों।



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

### 5.1.3 सर्च को सीमित करना

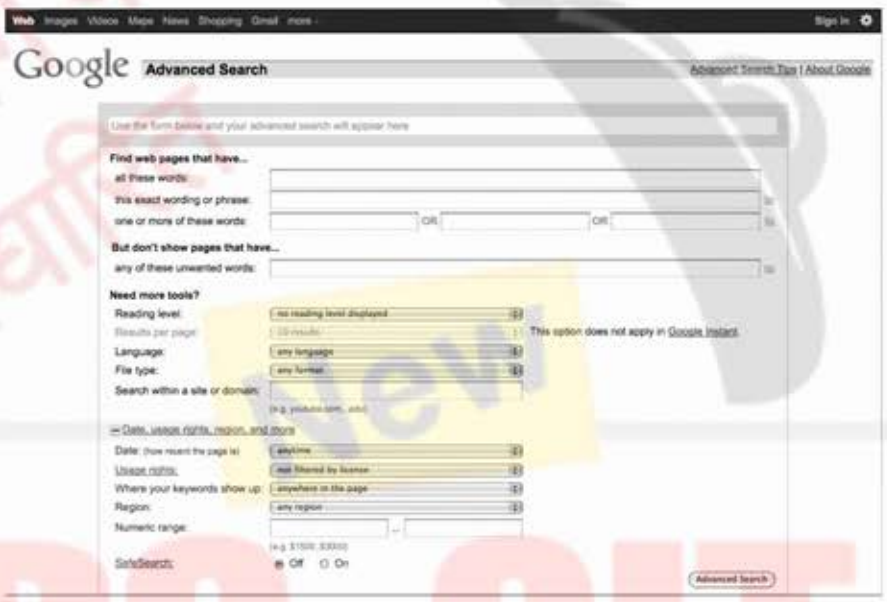
सर्च इंजन का कार्य न केवल अरबों पेजों में से सही पेज ढूँढना है बल्कि उसकी कार्यविधि की जानकारी भी लेना है | निम्नलिखित सुझाव का इस्तेमाल वेब को कुशलता से प्रभावी तरीके से खोजने के लिये लाभदायक हैं:

1. ***वाक्यांश के लिये खोज***

सही वाक्यांश को खोजने के लिये वाक्यांश को कोटेशन में डालें जैसे "वाक्यांश" यदि आपका वांक्यांस—सनराइज ऑन माई बर्थ डे है तो इसे " सनसाईन ऑन माई बर्थदे" के रूप में टाइप कर खोजे (सर्च करे) इससे हिटो की संख्या नाटकिय रूप से बहुत कम होगी तथा आप केवल सही वाक्यांश वाले परिणाम (रिजलट) ही पायेगे।.

2. **अधिक विशिष्ट (स्पेसिफिक) *होना-*** KeyWords ***का उपयोग करना***

यदि आपके आई फोन में आई.ओ.एस.—7 चल रहा हैं एवं आप मैनेजिंग बूकमार्क इन सफारी आर्टिकल (संदर्भ) को खोजना चाहते है तो केवल मेनेज बुकमार्क को नही सर्च करे बल्कि पूरा मेनेजिंग बुकमार्क इन सफारी आई ***फोन आई ओ एस*** —7 सर्च Key Words को काम में ले . जितनी आप ज्यादा जानकारी देगे उतने ही महत्वपूर्ण परिणाम आपको प्राप्त होगे।




चित्र 5.5– गूगल सर्च में उन्नत खोज विकल्प

**3. उन्नत खोज का प्रयास करे(AdvanceSearch)**

यदि आप अपनी सर्च पर अधिक नियंत्रण चाहते हो जैसे कौनसा भौगोलिक क्षैत्र पेज कब बनाया गया, या पेज का पढ़ने का स्तर तो आप गूगल उन्नत खोज पर जाये या बुनियादी खोज के बाद गियर आईकन पर क्लिक करे जो रिजल्ट पेज के upper right corner में होता है और फिर पॉप-अप मेन्यु से आप एडंवास सर्च को चयन करें।

4. ***परिवर्तन , गणना और बहुत कुछ***

गूगल का उपयोग करके आप बेब पेज के अलावा कई जानकारियों को भी प्राप्त कर सकते है। गूगल गणनाओं जैसे (104 *36.8 का मान मुद्रा परिवर्तन जैसे (185 डालर के यूरोज), टाइम जोन सम्बंधित (जैसे पेरिस में समय), मौसम सम्बन्धित जानकारी जेसे (सैन डियोगो का मौसम) शब्द की परिभाषा जैसे डिफाईन, पेदंटिक को परिभाषित करना एवं कई अन्य।

5. ***दूसरे सर्च इंजन का उपयोग***

यदि आपको गूगल सर्च से वो इन्डेक्सड पेज नहीं मिले हो जो आप चाहते थे तो आप अन्य विकल्प जैसे बिंग, याहू अथवा Ask.com का उपयोग करे क्योंकि प्रत्येक सर्च इंजन के खोज परिणाम अलग अलग प्राथमिकता के आधार पर परिभाषित होते है। ऐसा भी हो सकता है कि आपकी प्राथमिकता दूसरे इंजन से पहले की तुलना में ज्यादा प्राप्त है | यदि आप एक जगह पर अटक गये है तो इस उपाय द्वारा वही सर्च/खोज दूसरे सर्च इंजन में कर फायदा प्राप्त कर सकते है |



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

**उपयोगी जानकारी**

टिप - इन दिनों गूगल ने voice सर्च (बोलने पर खोज) भी चालु किया है जो आवाज पहचानने की तकनीकी से प्रश्न का पहचान कर उसके परिणाम प्रस्तुत कर सकता है। इसमें आपको अपनी आवाज में प्रश्न उद्घोषित करना होता है।

**त्वरित समीक्षा**

- कुछ प्रचलित सर्च इंजनों के नाम बताओं ?
- खोज को सीमित करने का टिप (मंत्र) बताओं ?
- बेब स्पाइडर क्या है ?

## 5.2 ई-मेल

इलेक्ट्रानिक मेल को 1993 से ई मेल कहा जाता हैं यह एक मैसेज को डिजिटल फॉर्म में एक लेखक से दूसरे या अधिक प्राप्तकर्ताओं तक पहुंचाया जाता हैं ईमेल इंटरनेट अथवा अन्य कंप्यूटर नेटवर्क द्वारा संचालित होता है। आज का ई-मेल सिस्टम सहेज (स्टोर) कर प्रेषित (फॉरवर्ड) करने वाले प्रारूप (स्टोर एंड फॉरवर्ड) पर कार्य करता है। ई-मेल सर्वर इसे स्वीकार करते है भेजते है पहुचाते है तथा उसको संग्रहित भी रखते है। इसके लिये न तो उपयोगकर्ता को और न ही प्राप्तकर्ता को एक ही साथ आन लाईन होना अनिवार्य होता है। इसके लिये उपयोगकर्ता व प्राप्तकर्ता को इतने ही समय तक सर्वर से जुडा रहना होता है। जब तक कि सूचना भेजी जा सके (सर्वर को) या प्राप्तकर्ता सर्वर से सूचना प्राप्त कर ले दोनो का साथ होना आवश्यक नहीं है।

इंटरनेट ई-मेल सूचना के तीन भाग होते है। **संदेश , सदेश हेडर** और **मैसेज बाडी** (संदेश शरीर) उसने संदेश हैडर सूचना को नियंत्रित करता हैं जिसमें मुख्य रूप से उतपादित करने वाले का ईमेल पता तथा प्राप्त करने वालो के पते होते है। आमतौर पर इसमें वर्णनात्मक जानकारी भी जोड दी जाती है। जैसे विषय का हैडर क्षैत्र तथा मैसेज देने की तारीख व समय।

लोकप्रिय ईमेल प्लेटफॉर्मो में जी मेल, याहू मेल आउटलूक एवं अन्य शामिल है।

ईमेल का सामान्य प्रारूप लोकल पार्ट@डोमेन है। उदाहरण के लिये jsmith@example.org इसमें jsmith लोकल पार्ट तथा example.org डामेन नेम है।

एक ईमेल एड्रेस में 2 भाग होते है @ सिम्बल से पहले का भाग लोकल पार्ट कहलता है| लोकल पार्ट मेल बॉक्स के नाम को (जो की अक्सर यूजर/प्राप्तकर्ता का नाम होता है जैसे की jsmith) | @ सिम्बल के बाद का भाग डोमेन का नाम ( मेल बॉक्स के प्रबंधन सम्बंधित इकाई का नाम) होता है जैसे की कंपनी का नाम यहाँ है example.com |

हम आगामी भागों में जी मेल के उदाहरणों को बतायेगे।

### 1.2.1 ईमेल मैसेज संदेश लिखना और भेजना

ईमेल लिखना तथा भेजना अन्य लोगो को जल्दी जानकारी देने का एक त्वरित तथा सरल तरीका है। एक टच बटन के माध्यम



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

से ही आप अपने मित्रों—परिवार को कही से (विश्व में कही से भी ) समाचार भेज सकते हैं यहां हम आपको जी मेल द्वारा ई—मेल भेजने के चरण (स्टेपस) बतायेगे हांलाकि कई ईमेलो में खातो या आवेदन पत्र बनाने के तरीकों में समान प्रक्रिया का पालना होता है।

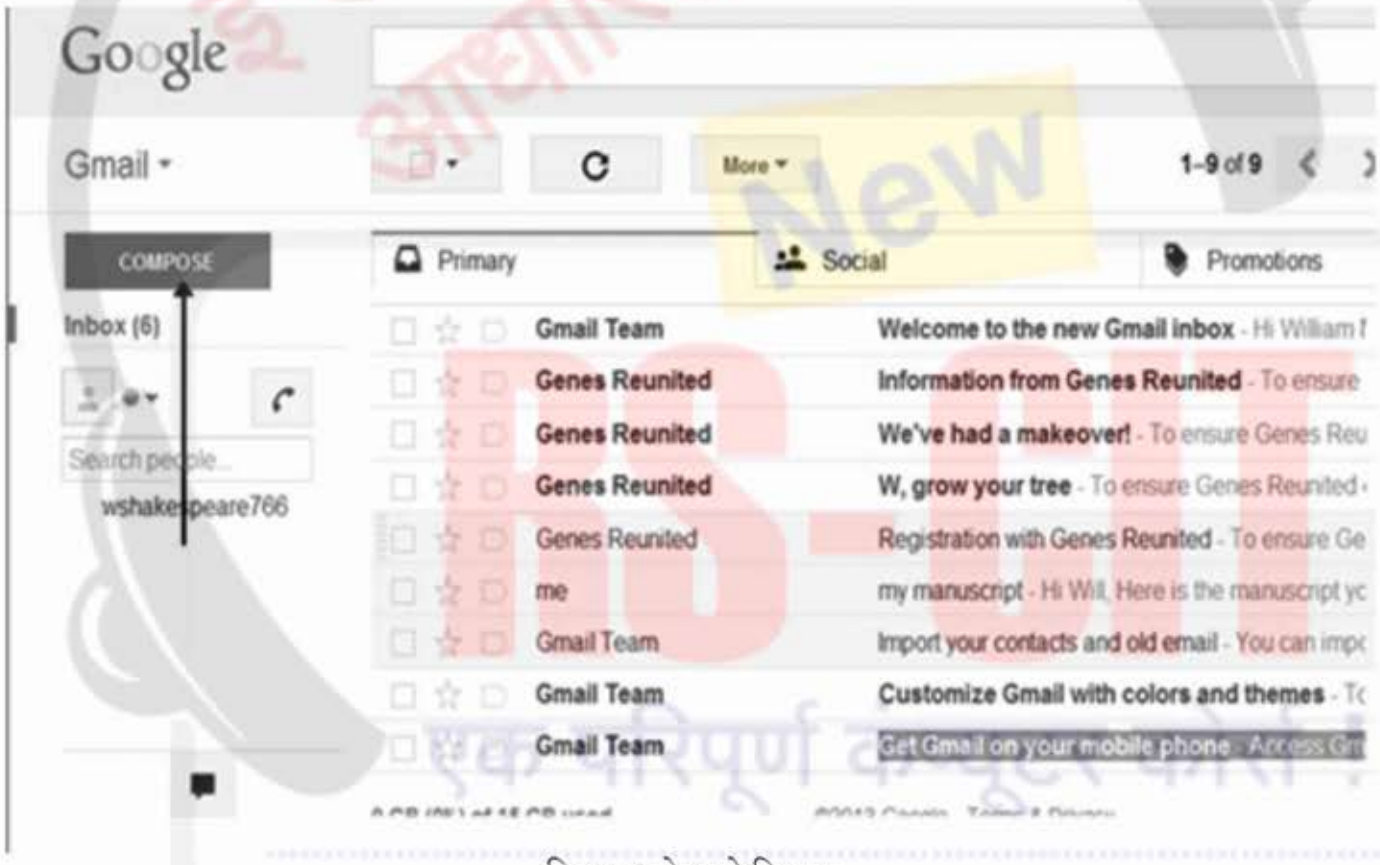
इसके लिये आपको निम्न आवश्यकता होगी:

एक कंप्यूटर में चालू (कार्यकारी) इंटरनेट कनेक्शन

1. एक स्थापित ई मेल खाता जिसमें ई मेल भेजने व प्राप्त करने की सुविधा हो|
2. एक ई मेल भेजने के लिये निम्न चरणो का पालन करे| निम्न कदम दर कदम का पालन करे

स्टेप 1: अपने जी मेल में प्रवेश करे ताकि आप अपने जी मेल खाते के डैश बोर्ड (मुख्य पृष्ठ) पर पहुंच जाये।

स्टेप 2: कम्पोज पर क्लिक करे




चित्र 5.6–मेल को लिखना

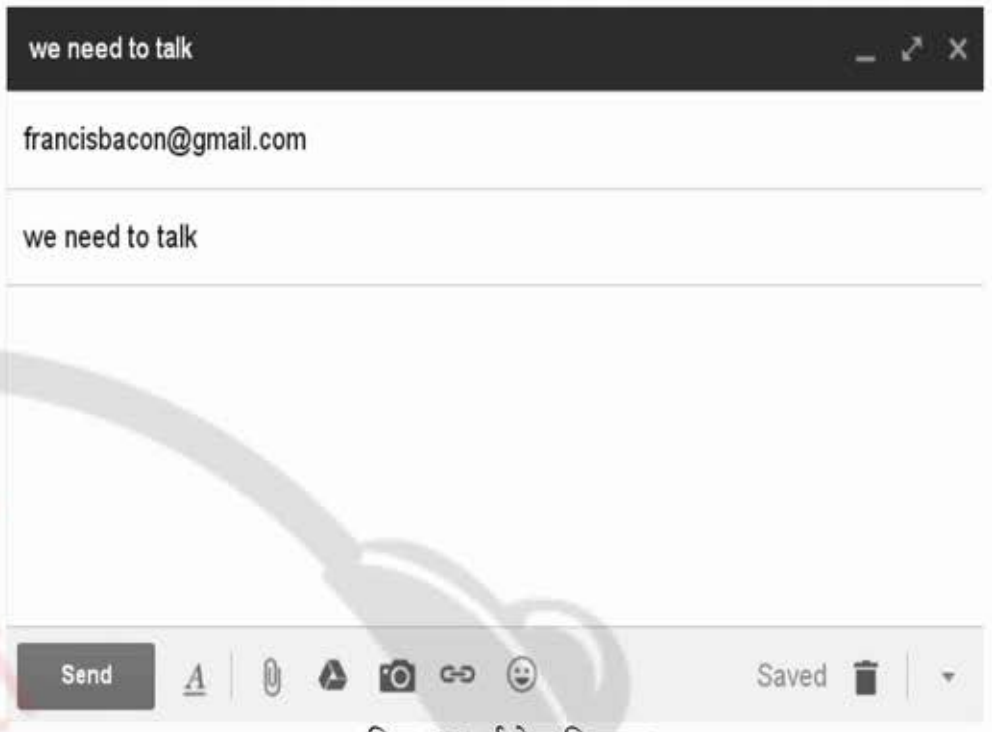
स्टेप 3: एक नयी रिक्त ई—मेल विडो खुल जायेगी| टू (To) बॉक्स में उस ई मेल पते को टाईप करे जिसे आप मेल भेजना चाहते है।.

स्टेप 4: यदि आप किसी अन्य को भी शामिल करना चाहते है जिससे की वे भी आपके संवाद से अवगत रहे तो आप सीसी (प्रतिलिपि) या बीसीसी (गुप्त प्रतिलिपि) का उपयोग कर सकते है | सीसी का अर्थ कार्बन कॉपी तथा बीसीसी का अर्थ ब्लाईड कार्बन कॉपी से है। सीसी क्षैत्र में ई मेल पते का जोडने का अर्थ यह है कि यह सूचना की प्रति इस व्यक्ति/व्यक्तियों को भी प्राप्त होगी किन्तु इसे सभी देख पायेगे किन्तु यदि आपने इसे बीसीसी में डाला है तो उक्त ईमेल की एक कॉपी जिसका पता



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

इसमें आपने भरा है को भी प्राप्त होगी लेकिन दूसरे प्राप्तकर्ता उसका ईमेल एड्रेस नहीं देख पायेंगे।




चित्र 5.7– ई मेल लिखना

स्टेप 5: विषय (सब्जेक्ट) क्षैत्र एक शीर्षक की तरह प्राप्तकर्ता को विषय के बारे में जानकारी पाने की अनुमति प्रदान करेगा। विषय क्षत्र को खली भी छोड़ा जा सकता है परन्तु उस दशा में अन्यथा आपको ई मेल को देखने एवं छाटने में समस्या होगी।

स्टेप 6: मेसेज क्षैत्र में मैसेज टाईप करे इसमें वर्ड डाक्यूमेंट की तरह ही फार्मेट (संशोधित) करने




चित्र 5.8– ई मेल लिखना

की व्यवस्था हैं जैसे फोन्ट शैली रंग और आकार स्वरूपण। आप इसमें बुलेट बिन्दू एवं वर्तनी को भी जांच सकते हैं आप चित्र में दिखाये गये मेनू से स्वरूपण (फार्मोटिंग) चुन सकते हैं

स्टेप 7: अपना मेसेज ईमेल की बॉडी फील्ड में डाले

स्टेप 8: यदि आप अपनी लिखी ई मेल से संतुष्ट है तो compose के नीचे स्थिति नीले बटन "Send" को क्लिक करे

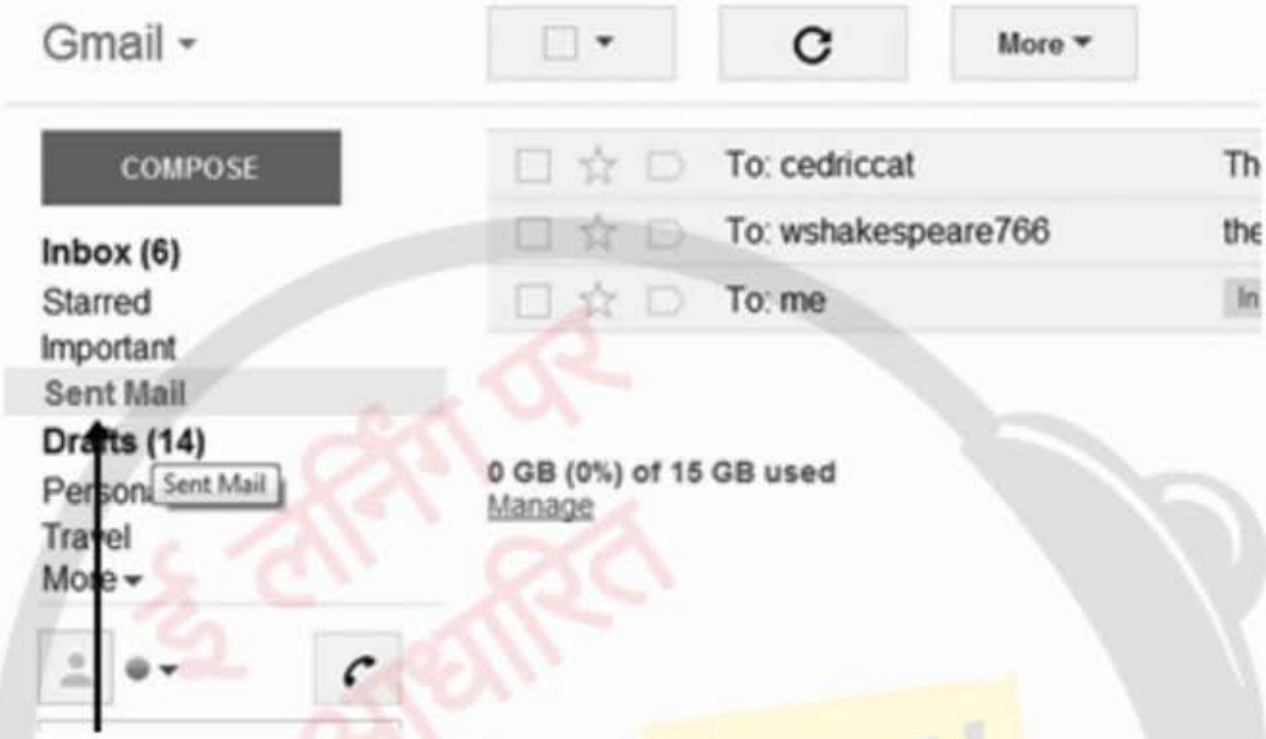



चित्र 5.9– ई मेल लिखना

पूर्ण कंप्यूटर कोर्स !
www.rkcl.in


© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

स्टेप 9: भेजा गया ईमेल आपके जीमेल डैश बोर्ड पर भेजे गये मेल फोल्डर में संग्रहित रहेगा। आप अपने माउस सूचक से इनबाक्स फोल्डर को लिंक (जोड) कर इसे व अन्य फोल्डर को देख सकते है।




चित्र 5.10– ई मेल लिखना

स्टेप 10: आपकी ईमेल जाने के लिये तैयार हैं | लेकिन इसे सीधे भेजने के बजाय इसे वापस लाने के लिये भी तय कर सकते हैं जी मेल अपने ड्राफ्ट को स्वचलित रूप से सेव (सहेजता) करता हैं इसलिये आप यदि मेल बंद कर देते है तो वापस आपकी अधुरी मेल ड्राफ्ट फौल्डर में सहेज कर रखी हुई होती है। जिसे आप पूर्ण कर पुन: ड्राफ्ट फोल्डर से लेकर सेंड (भेजे) बटन को क्लिक कर सामान्य तरीके से भेज सकते हैं|

## 5.2.2 ई मेल फ़ोल्डर्स

वास्तव में, हमारे उदाहरण मे प्रयुक्त जीमेल फोल्डर का उपयोग नहीं करता है। मेल को प्रभावी एवं सगठित तरीके से छाटने के लिये जी मेल, लेबल का उपयोग करता है। क्यों कि जीमेल एकाधिक लेबल एक ही मेल के लिये लागु हो सकते है और वह पारंपरिक फोल्डरों से ज्यादा शक्तिशाली हाते है। ई मेल के महत्वपूर्ण फोल्डर निम्नलिखित है:

- **इन बाक्स(Inbox)** – यह वह फोल्डर है जहां आपकी आने वाली ई मेल आपके तत्काल सन्दर्भ के रूप में जानी जाती है।
- **सेंट मेल(Sent Mail)** – यह वह फोल्डर है जहां आप द्वारा भेजी गई ई मेल सन्दर्भ के रूप में जमा रहती है।
- **ड्राफ्ट्स (Drafts)**- यह वह फोल्डर है जहां सभी आपके द्वारा भेजी जाने वाली मेल अस्थायी रूप से रखी जाती है| जब आप मेल मैसेज बना रहे होते है तो ज्यादातर मेल प्रोग्राम उसे स्वतः ही आउट बाक्स में सग्रहित करते है। यह मेसेज जब तक सफलतापूर्वक प्राप्तकर्ता को भेजा नहीं जाता है तब तक ड्राफ्ट फोल्डर में इसे सेव रखा जाता है| जैसे ही वह मेसेज सग्राहक को भेज दिया जाता है वह Send (भेजी गई) या Send Message ( भेजे गये समाचारों) में चली जाती है आप अपने मैसेज को ड्राफ्ट मे भी सहेज सकते है जिसे आप बाद मैं पूरी तरह से तैयार कर अंतिम तौर पर भेज सकते है।
- **स्पाम(Spam)** – ई मेल स्पाम (जंक ई मेल) या अनचाही बल्क ई मेल (बहुत सारी) के रूप में भी जानी जाती है। स्पाम



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

एक मिलती जुलती भाषा वाली बहुत से प्राप्त कर्ताओ की भेजी गई मेल का समूह है। जी मेल इन स्पाम को स्वत: पहचानने वायरस पता लगाने तथा संदिग्ध ईमेल को पहचानने में मदद करता हैं जिसे जी मेल वायरस डिटेक्शन कर या मैसेज के पैटर्न खोज कर पता लगाती है।

- **ट्रैश (Trash)** – यह वह बाक्स है जहा डिलिट किये मैसज भविष्य की समीक्षा के लिये जमा रहते है जब तक की हम इसे यहा से भी न खाली कर दे।

**उपयोगी जानकारी**

टिप - ई-मेल प्रोग्राम्स में से जीमेल सबसे अधिक लोकप्रिय है तथा उपयोगकर्ताओं को (डेक्सटाप एवं मोबाईल) के लिये नवीनतम उपयोगगिताओं का एकीकृत फ्लेटफार्म (स्त्रौत) प्रदान करता है।

**त्वरित समीक्षा**

- ई मेल क्लाइंट्स के विभिन्न प्रकार क्या है ?
- एक स्पेम क्या है ?

## 5.3 चेट

यह इंटरनेट पर संचार करने का एक लोकप्रिय तरीका है। ई मेल, मेलिंग सूची और समाचार समूहों के विपरित चेट लोगो को वास्तविक समय में आपस में बातचीत करने की अनुमति देता हैं

इंटरनेट पर चेटिग एक प्रकार की बातचीत है जब बातचीत करने वाले लोग एक ही समय में इंटरनेट पर मौजूद हों | सैदान्तिक रूप में चैटिंग एक ही समय में बहुत से लोगो (उपयोगकर्ताओ) जो इंटरनेट पर मौजूद हो द्वारा किसी चैट साईट के माध्यम से मैसेज के आदान/प्रदान द्वारा बातचीत करने का तरीका है।



चित्र 5.11– ई मेल लिखना

कुछ लोकप्रिय बेब आधारित चेट सेवाओं में स्काईप, गूगल हैंग आउट फेसबुक मेसेन्जर व्हाट्स एप आदि शामिल है। आम तौर पर सभी आवेदको को चेट कई प्लेटफॉर्मो (जैसे मोबाईल डेस्कटॉप) तथा आपरेटिंग सिस्टम (विन्डोस, एन्ड्रोईड, आई.ओ.एस.) में उपलब्ध है।

### 5.3.1 स्काईप

स्काईप एक एप्लीकेशन प्रोग्राम है जो विडियों चेट और आवाज संदेश(वायस कॉल) हेतु विशेष रूप से बनाया गया है । इसमें उपयोगकर्ता टेक्स्ट एवं विडियो संदेशो, फाईलो तथा छवियों और साथ ही साथ सम्मेलन काल (कान्फ्रेंस—बात) भी कर सकता हैं । स्काईप उपयोगकर्ताओं को आवाज का संचारण माईक्रोफोन द्वारा, विडियों का बेब कैमरे द्वारा तथा इंटरनेट पर त्वरित संदेश को प्रसारित करने की अनमुति प्रदान करता है।




चित्र 5.12– स्काइप



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

### 5.3.2 गुगल हैंगआउट (Google hangout)




चित्र 5.13– गूगल हैंगआउट

गूगल हैंग आउट वह संचार मंच है जिसमें त्वरित संदेश सेवाओं, विडियों चेट, एम.एम.एस (MMS) तथा वी.ओ.आई.पी (इंटरनेट पर आवाज-VOIP) की विशेष्ताएं शामिल है। यह तीन मैसेज सेवाओं के उत्पाद है जिसे गुगल ने अपने अंदर निहित (उपलब्ध) सेवाएं गुगल टॉक (बातचीत), गुगल+ संवाहक (मैसेन्जर) तथा गूगल hangout (विडियो चेट सिस्टम जो की गूगल-प्लस में उपस्थित है) से निर्मित किया हैं.

### 5.3.3 फेसबुक मेसेजर




चित्र 5.14– फेसबुक मैसेंजर

फेसबुक मैसेंजर एक त्वरित मेसेजिंग सेवा और साफ्टवेयर का अनुप्रयोग है जो टेक्सट तथा आवाज संचार (वाईस कम्यूनिकेशन) की सुविधा प्रदान करता है। फेसबुक की बेब आधारित सुविधाओं को एकीकृत कर फेसबूक यूजर अपने मित्रों से मोबाईल या मैन बेबसाईट दोनो पर चेट करने की सुविधा देता है।

### 5.3.4 वाट्सएप



चित्र 5.15– वाटस एप मैसेजर

वाट्सएएप मैसेंजर, स्मार्ट फोन पर आधारित क्रॉस प्लेटफार्म इंस्टेंट मेसजिंग (तत्काल समाचार) मैसेंजर हैं यह इंटरनेट का उपयोग कर टेक्स्ट संदेश , चित्र, विडियों तथा ऑडियो, मिडिया संदेशो को दूसरे मानक मोबाईल नम्बर पर उपयोग करने की अनुमति प्रदान करता है।

## 5.4 ब्लॉग्स एवं सामाजिक नेटवर्किंग साईट

एक ब्लाग, जानकारी या चर्चा हेतु तैयार की गयी वेबसाइट है जो की डिस्क्रीट प्रविष्ठियां (अलग अलग) ,जिन्हें पोस्ट भी कहा जाता है, से मिलकर बनी होती है तथा जो आमतौर पर रिवर्स क्रानिकल (सबसे हाल में पोस्ट की गई पोस्ट सबसे ऊपर ) के रूप में दिखाई जाती है।




चित्र 5.16– ब्लॉग

वर्ष 2009 तक ब्लाग्स आमतौर पर एक ही व्यक्ति का काम होता था, कभी कभार इसे एक समुह वाले, एक विषय पर बातचीत करने हेतु उपयोग में लेते थे , अभी हाल ही में बहुत से बहु लेखक ब्लाग (मल्टी ऑथर ब्लॉग) विकसित हुए है। जिनमे की बहुत से लेखको द्वारा पोस्ट लिखी जाती है तथा पेशेवरों द्वारा सम्पादित की जाती है|

न्यूज/ समाचार पत्रों के पेशेवर, अन्य मीडिया के आउटलेटस , विश्वविद्यालयों के विचारक समूह , वकालत समूह इत्यादि की उपस्थिति तथा योगदान की वजह से ब्लॉग ट्रैफिक लगातार बढ़ रहा है । टवीटर एवं अन्य माइक्रोब्लागिंग सिस्टम ब्लोगो को संगठित कर नयी धारणाओं में एकीकृत करने में मदद करते है।



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

अधिकांश ब्लाग इटरेक्टिव होते है जो आगुन्तको को अपने विचार संदेश ब्लॉग से जीयूआइ (GUI)के माध्यम से छोडने की अनुमति देते है। यही अंतर क्रियाशीलता(इंटरैक्टिव) ब्लॉग को दूसरी स्टेटिक (स्थिर) बेबसाईटो से अलग पहचान दिलाता है।

कई ब्लॉग एक विशेष विषय पर कमेन्ट्री पेश करते है। अन्य आनलाईन डायरी की तरह कार्य करते हैं। अन्य किसी विशेष व्यक्ति या संगठन के ब्रांड व विज्ञापन की तरह कार्य करते है। एक टिपिकल ब्लाग में अक्षर, चित्र एवं दूसरी ब्लागो से जुडने की व्यवस्था एवं अन्य विषय पर आधारित मीडिया को जोड़ने का कार्य करते है।

एक सामाजिक नेटवर्किंग सेवा (एस.एन.एस.या सामाजिक नेटवर्किंग सेवा) एक ऐसे सामाजिक नेटवर्क या लोगो का संघ है जो सामान हितो, गतिविधियों, पृष्ठभूमि या वास्तविक जीवन के बीच सामाजिक संबंधों का निर्माण करने का प्रयत्न करता है।

एक सामाजिक नेटवर्क सेवा प्रत्येक उपयोगकर्ता को एक प्रोफाईल द्वारा या उसके सामाजिक लिंक द्वारा प्रदर्शित करती है तथा बहुत सी अतिरिक्त सेवाएं जैसे कैरियर सेवाओं इत्यादि को प्रस्तुत करता है। सामाजिक नेटवर्क साइट्स बेव आधारित सेवाओं से सार्वजनिक प्रोफाईल बनाने, उन व्यक्तियों की सूची बनाने जिनसे इस सूचना को साझा कीया जा सके, सूचनाओं को देखने इत्यादि अनुमति प्रदान करता है।



चित्र 5.17– सामाजिक नेटवर्किंग

सामाजिक नेटवर्किंग साईट के उपयोगकर्ताओं को अपने नेटवर्क में लोगो के साथ विचारों, ब्लाग्स , चित्रों, पदों गति विधियों, घटनाओं और हितो का साझा करने की अनुमति प्रदान करता है।

### 5.4.1 ब्लाग के प्रकार



चित्र 5.18– ब्लाग के प्रकार

ब्लाग्स कई प्रकार के होते है, उनके प्रकार केवल उनकी सामग्री (कन्टेन्ट) के आधार पर ही नहीं बल्कि उन्हे किस प्रकार प्रस्तुत किया जाना है या लिखा जाना है, पर भी निर्भर करते है।

ब्लोगो के विभिन्न प्रकारों को नीचे वर्गीकृत किया गया है:

- ***व्यक्तिगत ब्लॉग* (Personal Blog)**- एक व्यक्ति की चालु(सतत) डायरी या कमेन्टरी (गाथा)

- ***सहयोगात्मक ब्लॉग या ग्रुप ब्लॉग* (Collaborative Blog Or Group Blog)-** यह वह ब्लाग है जिसमें पोस्ट (लेखन सामग्री/पर) एक या एक से अधिक लेखको द्वारा प्रकाशित होता है। ज्यादातर हाई-प्रोफाइल सहयोगात्मक ब्लॉग एक थीम के चारो और आधारित होते है जैसे की राजनीती या नयी तकनीक इत्यादि|

- ***माईक्रो ब्लागिंग(Micro Blogging)*** – माईक्रो ब्लागिग डिजीटल जानकारी को छोटे छोटे हिस्सो में प्रदर्शित करने का तरीका है जो पाठ (टेक्सट), चित्र. लिंक (जोड़) एवं अन्य मिडिया के रूप में जो इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। माईक्रोब्लागिंग एक पोर्टेबल संचार व्यवस्था है जिसे कई लोगो ने जैविक और सहज महसूस कर सार्वजनिक कल्पना



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

| आप फोटो, लिंक वगेरह भी शेयर कर सकते हैं | परन्तु फेसबुक पर शेयर करना बाकी ऑनलाइन कम्युनिकेशन से अलग है | जिस प्रकार ईमेल इत्यादि में भेजे गए सन्देश प्राइवेट होते हैं, फेसबुक पर आमतौर पर पब्लिक होते हैं और उस सन्देश को सभी लोग देख सकते हैं|




चित्र 5.21– फेसबुक

हालांकि फेसबुक पर प्राइवेसी टूल्स होते हैं जिसे आप निर्धारित कर सकते हैं की आपका सन्देश कौन देखे और कौन नहीं, परन्तु फेसबुक बड़े तौर पर एक सोशल प्लेटफार्म के रूप में डिजाईन किया गया है न की सामान्य टूल्स की तरह जो की प्राइवेट होते हैं|

कुछ मुख्य पब्लिक फीचर इस प्रकार हैं:




चित्र 5.22– फेसबुक

- मार्केटप्लेस : मेम्बेर्स को क्लासिफाइड विज्ञापन पोस्ट करने, पढने एवं प्रतिक्रिया करने की अनुमति देते हैं|
- ग्रुप्स: एक जैसी रूचि वाले मेम्बेर्स एक दुसरे से संपर्क कर सकते हैं एवं वार्तालाप कर सकते हैं |
- इवेंट्स: मेम्बेर्स किसी इवेंट की जानकारी दे सकते हैं और लोगो को आमंत्रित भी कर सकते हैं |
- पेजेज : मेम्बेर्स की विशेष टॉपिक पर एक पेज बना सकते हैं |
- प्रेसेंस टेक्नोलॉजी : मेम्बेर्स यह जान सकते है की कोनसे दुसरे मेम्बेर्स ऑनलाइन है |

हर मेम्बर के पर्सनल प्रोफाइल पर कुछ मुख्य नेटवर्किंग कंपोनेंट्स होते है | इनमे प्रमुख है **वाल** | यह एक प्रकार का वर्चुअल बुलेटिन बोर्ड है | वाल पर चित्र, विडियो एवं सन्देश लिखे जा सकतें है | दूसरा चर्चित कॉम्पोनेन्ट है फोटो एल्बम. फोटो को सीधे कंप्यूटर डेस्कटॉप से या फिर मोबाइल से भी अपलोड किया जा सकता है | फोटो अपलोड करने की कोई निर्धारित सीमा नहीं है परन्तु फेसबुक उन फोटोस को डिलीट कर देगा जो की कॉपीराइट के तहत पोस्ट करना मना है या फिर प्रतिबंधित है|

इंटरैक्टिव एल्बम – यह मेम्बेर्स के दोस्तों को एक दुसरे की फोटो पर कमेंट करने की आजादी एवं फोटो में लोगो को पहचानने की आजादी देता है (**tag करना**) |



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

**स्टेटस अपडेट:** यह एक प्रकार का माइक्रो ब्लॉग्गिंग फीचर है जो की मेम्बेर्स को छोटे सन्देश ब्रॉडकास्ट करने की सुविधा देता है|

सभी प्रेषित सन्देश **न्यूज़ फीड** में पब्लिश होते हैं| यह सन्देश उसी समय मेम्बर के दोस्तों को दिखा दिए जाते हैं|

फेसबुक कई प्रकार के प्राइवेसी (गोपनीयता) आप्शन प्रदान करता है| मेम्बर अपने संदेशो को सबको दिखा सकता है, कुछ विशेष लोगो को दिखा सकता है या फिर पूरी तरह से गोपनीय रख सकता है| मेम्बर यह तय कर सकता है की कोई अन्य मेम्बर उसकी प्रोफाइल को फेसबुक पर ढूंढ सकता है या नहीं, तय कर सकता है की उसकी प्रोफाइल का कोनसा हिस्सा पब्लिक है या नहीं, अपनी न्यूज़ फीड पर क्या दिखाना है और किसे दिखाना है जो लोग फेसबुक के द्वारा प्राइवेट सन्देश प्रेषित करना चाहते हैं, उनके लिए मैसेंजर का भी विकल्प है जो किसी ईमेल या चैट सॉफ्टवेयर की तरह काम करता है|

### 5.4.2.2 ट्विटर (इसे इन्टरनेट के SMS की तरह जाना जाता है)




चित्र 5.23– ट्विटर

ट्विटर एक ऑनलाइन सोशल नेटवर्किंग सर्विस है जो यूजर को 140 करैक्टर के छोटे सन्देश भेजने व पढने की सुविधा देता है जिन्हें "tweets" कहा जाता है| पंजीकृत उपभोगता सन्देश को पढ़ एवं प्रेषित कर सकते हैं परन्तु अन्य उपभोगता सिर्फ सन्देश पढ़ सकते हैं|

इसे कंप्यूटर एवं मोबाइल, दोनों से संचालित किया जा सकता है | वर्तमान में ट्विटर के दुनियाभर में 25 कार्यालय है और इसकी स्थापना सन फ्रांसिस्को में हुई थी|

ट्विटर मार्च 2006 में बनाया गया था और इसके निर्माता है: जैक डोरसे, एवन विल्लीअम्स, बिज़ स्टोन, और नूह ग्लास. इसको जुलाई 2006 में लांच किया गया था|

**कुछ मुख्य फीचर इस प्रकार है:**

- **ट्वीट:** यह एक संदेश का टुकड़ा है जो की अधिकतम 140 करैक्टर का हो सकता है| शब्दों के बीच खाली जगह और पंक्चुएशन भी 140 करैक्टर में शामिल किये जाते हैं| यह एक प्रकार की ब्लॉग एंट्री या समझ लीजिये एक छोटे से ब्लॉग की तरह है|

- **टाइम लाइन्स**: तारीख के हिसाब से संदेशो का संकलन है| पब्लिक टाइम लाइन में हर सन्देश का संकलन होता है| जब आप ट्वीट करते है तो आप खुद की टाइम लाइन बना लेते है जो की आपकी प्रोफाइल देखने वाले हर उपभोगता को क्रमबद्ध दिखेगी| टॉप मेनू में प्रोफाइल लिंक पर क्लिक करके आप खुद की टाइम लाइन देख सकते है| हर उपभोगता की एक विशेष टाइम लाइन भी होती है जिसमे हर उस व्यक्ति के ट्वीट होते हैं जिसे उपभोगता फॉलो कर रहा होता है| यह आपके खुद के न्यूज़ टिकर की तरह होता है| आप बहुत से लोगो और समूह को फॉलो कर सकते हैं| सिवाय उन संदेशो के जो वह खुद किसी को भेज रहे है, आप संदेशो को देख सकते हैं|



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

- **ट्विटर प्रोफाइल:** टॉप मेनू के सेटिंग लिंक पर क्लिक करके आप अपनी प्रोफाइल एडिट कर सकते हैं | एक बात का ध्यान रखें की आपके अकाउंट सेक्शन की हर चीज़ पब्लिक को दिखती है | अगर आप अपना वास्तविक नाम नहीं दिखाना चाहते तो अपना नाम बदल भी सकते हैं | हेड शॉट को आमतोर पर अपनी पिक्चर बनाया जाता है |

- **फोलोविंग और फोलोवेर्स:** फोलोविंग ट्विटर में friending और subscribing के लिए प्रयोग किया जाता है | जब किसी की प्रोफाइल पेज पर विजिट करते है तो उसके चित्र के नीचे एक छोटा सा फॉलो बटन होता है | इस बटन पर क्लिक करने से आपके होम टाइम लाइन पर उस व्यक्ति के ट्वीट दिखाई देते हैं | ट्विटर पर फोलोविंग एक तरफ़ा होता है | जब तक कोई अपने अपडेट को गोपनीय नहीं करता, उसे आपकी फोलोविंग रिक्वेस्ट को अप्रूव करने की ज़रुरत नहीं होती | अगर फीचर बंद न किया हो, तो उन्हें इस बात का एक मेल मिलेगा की आप उन्हें फॉलो कर रहे हैं | वो भी आपके ट्वीट चेक कर सकते हैं और अगर आप उनके मतलब के सन्देश भेजते रहते हैं तो वे भी आपको फॉलो कर सकते हैं |

- **कन्वर्सेशन:**

  - सीधे सन्देश प्राइवेट होते हैं | सिर्फ प्रेषक और पाने वाला ही उन्हें देख सकता है | आप इस प्रकार के सन्देश सिर्फ उन लोगो को भेज सकते हैं जो आपको फॉलो करते हैं | इस प्रकार के सन्देश आमतौर पर अच्छे नहीं माने जाते और लोग उन्हें नहीं पढ़ते |




चित्र 5.24– हेशटेग

  - जिन ट्वीट में आपको मेंशन किया गया है, यह जानने के लिए ट्विटर पेज के राईट साइड पर @yourname पर क्लिक करें |

  - अपने फोलोवेर्स को अपना ट्वीट दिखाने और किसी को विशेष रूप से भेजने के लिए शुरुआत की जगह कही भी @username लिख दें |

- **री-ट्वीट(RT):** जब कोई दूसरा आपके ट्वीट को उसके खुद के फोलोवेर्स तो दिखाना चाहता हो, इसे करने का सामान्य तरीका है:

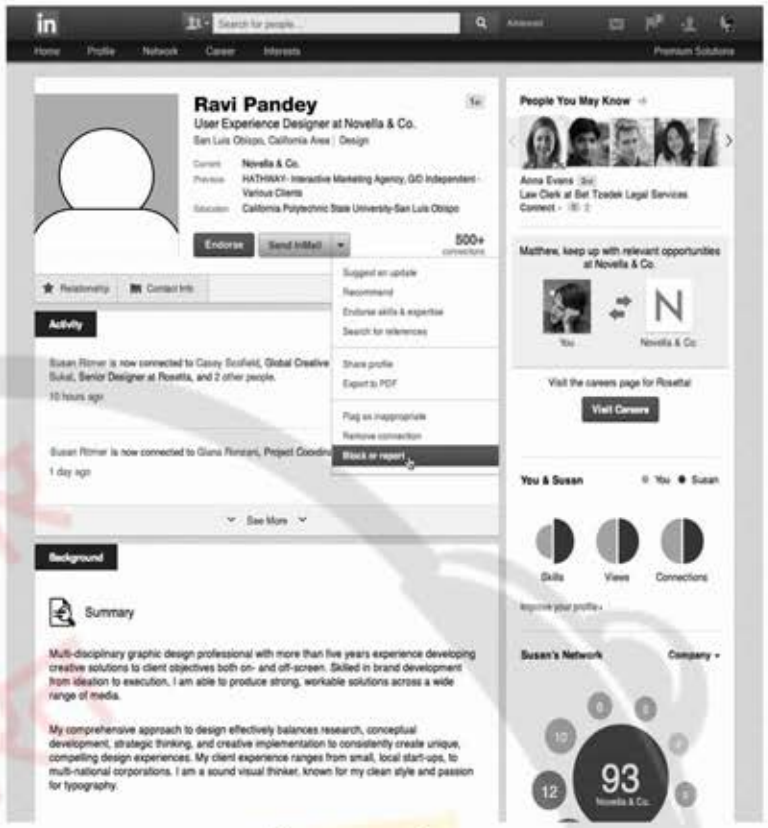
  **RT@OriginalAuthor Content of original tweet [Retweeter's comment]**

- **हेशटैग:** हेशटैग से आप अपने ट्वीट में कुंजी शब्द या श्रेणिया जोड़ सकते हैं | हेशटैग लोगो को एक विषय पर ट्वीट का औसत करने की अनुमति देता है | इसमें **हेशटैग** का चिन्ह की वर्ड बिना रिक्त स्थान के होता है | **हेशटैग** आजकल स्वचालित ट्विटर खोजो के लिंक में बदल जाते हैं|



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

कांफ्रेंस और इवेंट्स के लिए **हेशटैग** का काफी प्रयोग होता है| **हेशटैग** को ढूंढ कर आप कई प्रकार के लाइव इवेंट्स को फोलो कर सकते हैं| अपने शहर या राज्य में होने वाली घटनाओं की जानकारी रखी जा सकती है, किसी विषय को खोजा जा सकता है|




चित्र 5.25– लिक्डइन

### 5.4.2.3 लिंक्ड इन:

लिंकडन एक व्यवसाय उन्मुख सामाजिक नेटवर्किंग वेबसाइट है जिसे दिसम्बर 2002 में स्थापित कर 5 मई 2003 को चालू किया गया | मुख्य रूप से यह पेशेवर नेटवर्किंग के उद्देश्य से बनायीं गयी है | 2015 तक इस साईट का संपूर्ण राजस्व नियोक्ताओं एवं बिक्री पेशेवरो को जानकारी बेचने से प्राप्त होता है | इसके उपयोगकर्ता पेशेवर प्रोफाइल तैयार करते हैं जिससे दूसरी साईट के सदस्य उनके व्यापार पृष्ठ भूमि, कर्यविशेश्ता समूह, या संगठन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें | एक बार उपयोगकर्ता अपनी प्रोफाइल बनाने के बाद दुसरे उपयोगकर्ता को भी अपने नेटवर्क में जोड़ सकता है|

प्रोफाइल में स्टेटस अपडेट स्थिति की सुविधा होती है जिसके द्वारा उपयोगकर्ता के नेटवर्क से जुड़े लोग यह जान सकते है की उपयोगकर्ता किस विषय पर कार्य कर रहा है तथा कब यात्रा कर रहा होगा तथा जरुरत अनुसार सुझाव देना शामिल होते है| इसमें उनके लिये भी सुविधा होती हैं जो इसके सदस्य नही है वह प्रोफाइल के हिस्से को देखने की स्वीकृत भी प्रदान कर सकता हैं।

कुछ प्रमुख विशेषताएं नीचे सूचि में है:




चित्र 5.26– लिक्डइन

- **संपर्क में रखे:** जो व्यक्ति बार बार नौकरी बदलते हैं, **लिंक्ड इन** ऐसे उपयोगकर्ता को उन पेशेवर नेटवर्क से संपर्क में रहने तथा उनके कार्यो को अपडेट देने तथा संपर्क सूत्रों को प्रदान करता है|
- **मदद लेना:** उपयोगकर्ता के नेटवर्क जब किसी व्यापारिक समस्या का हल नहीं निकल सकते, तब लिंक्ड इन का



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

टूल – आंसर एंड ग्रुप्स – उपयोगकर्ता को विश्वास पात्र एक्सपर्ट्स से मिलाता है|

- **नौकरी ढूंढ़ना:** लिंक्ड इन उपयोगकर्ता को हज़ारो नौकरियों की जानकारी देना एवं उनके लिए एप्लीकेशन फॉर्म उपलब्ध करवाने का कार्य करता है | यह एप्लीकेशन और यूजर की प्रोफाइल सीधे नियोक्ता तक पहुच जाती है |

- **नए स्टाफ का अपॉइंटमेंट:** कंपनी के मेनेजर लिंक्ड इन पर जाकर अपने कंपनी के लिए सही कैंडिडेट चुन सकते हैं जिनके पास तयशुदा स्किल एवं एक्सपीरियंस हो |

**उपयोगी जानकारी**

टिप - सोशल नेटवर्किंग का उपयोग प्रारंभ करने के लिए फेसबुक का फ्री अकाउंट बनाये और अपने फ्रेंड्स के साथ कनेक्ट होकर उसके विभिन्न features को try करें

**त्वरित समीक्षा**

- ब्लोग्स के कितने प्रकार होते हैं ?
- LinkedIn जॉब सर्च करने में किस तरह से मददगार हो सकता हैं ?
- फेसबुक के विभिन्न features क्या हैं ?

## 5.5 इ-कॉमर्स

इ-कॉमर्स (इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स)- किसी भी सामान को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (प्रमुख तौर पर इन्टरनेट) से खरीदा या बेचा जाये, उसे इ-कॉमर्स कहते हैं | ऑनलाइन रिटेल बहुत आरामदायक होता है क्यूंकि एक तो वह 24 घंटे उपलब्ध है, वैश्विक स्तर पर उपलब्ध है और आमतौर पर अच्छी ग्राहक सेवा प्रदान करता है|



चित्र 5.27 ई-कॉमर्स

**ई-कॉमर्स व्यापार में निम्न लिखित विशेषताएं होती है:**

- ऑनलाइन शौपिंग साईट, खुदरा बिक्री – सीधे ग्राहक के लिए |
- बेचने वाला ऑनलाइन बाज़ार (मार्केटप्लेस) में भाग ले सकता है जो की व्यापार – ग्राहक, या ग्राहक – ग्राहक बेचने का माध्यम प्रदान करता है |
- व्यापार – व्यापार (Business 2 Business ) खरीदना और बेचना |
- डेमोग्राफिक डाटा को एकत्रित करना (सोशल मीडिया और वेब कॉन्टेक्ट्स द्वारा)
- B2B इलेक्ट्रॉनिक डाटा एक दुसरे से लेना और देना |
- ईमेल और फैक्स के द्वारा क्लाइंट्स और सम्बंधित ग्राहकों को पाने के लिए मार्केटिंग करना (उदहारण के लिए



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

– समाचार पत्र)

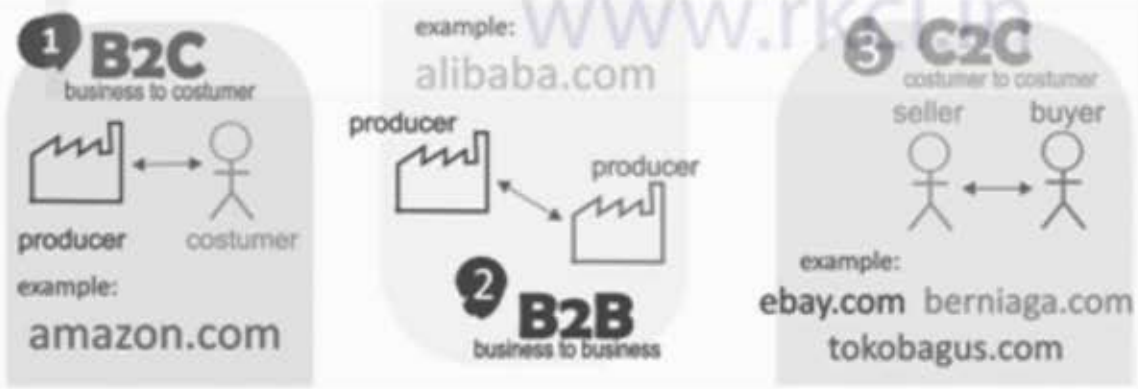
- नए उत्पाद और सर्विस को मार्किट में उतारने हेतु प्री-टेल में शामिल होना |

**इ-कॉमर्स के प्रकार:**

- प्योर(Pure)-क्लिक या प्योर (Pure)-प्ले संस्थाएं, जिन्होंने बिना किसी पुरानी चल रही संस्था के, बस एक साईट चालू कर दी है |
- ब्रिक-एंड-क्लिक संस्थाएं – वह चल रही संस्था जिसने एक साईट लांच की है इ-कॉमर्स के लिए |
- क्लिक-टू-ब्रिक संस्था – ऑनलाइन रिटेलर जिसने बाद में कुछ जगहों पर दुकाने खोली हैं |

**कई प्रकार की इ-बिक्री हो सकती है, जैसे:**

- **व्यापार से ग्राहक (Business 2 Consumer ):** कंपनी सीधे अपना सामान उपभोगकर्ता को बेचती है | B2C वेब शॉप्स आमतौर पर सभी विसिटर्स के लिए खुली होती हैं |
- **व्यापार से व्यापार (Business 2 Business):** कंपनी बिना सीधे ग्राहक को बेचे, सीधे दूसरी कंपनी को सामान बेचती है | इनके ऑनलाइन साईट पर लॉग इन करना पड़ता है | इस तरह की साइट्स पर आमतौर पर ग्राहक के हिसाब से दाम, डिस्काउंट और माल की छंटनी होती है|
- **ग्राहक से व्यापार (Consumer 2 Business):** यहाँ, ग्राहक अपना सामान ऑनलाइन बेचने के लिए लगा देता है जहा कंपनी बोली लगा सकती है | ग्राहक इन बोलियों को देख सकता है और अपने हिसाब से कंपनी चुन कर माल बेच सकता है |
- **ग्राहक से ग्राहक (Consumer 2 Consumer):** ग्राहक अपने माल को दुसरे ग्राहक को बेचता है | बेहतरीन उदहारण है eBay.
- **मोबाइल कॉमर्स (mCommerce) :** मोबाइल या पर्सनल डिजिटल असिस्टेंट (PDA) के द्वारा माल को खरीदने या बेचने को मोबाइल कॉमर्स कहते हैं | अगली पीढ़ी कहे जाने वाले इ-कॉमर्स में यूजर को इन्टरनेट का इस्तेमाल करने के लिए किसी प्लग में तार नहीं लगाना पड़ता |




चित्र 5.28 ई-कॉमर्स के प्रकार



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

इ-कॉमर्स की सबसे बड़ी विशेषता है बिना किसी ज्यादा फाइनेंसियल इन्वेस्टमेंट के उसका वैश्विक होना . इस तरह के कॉमर्स की कोई ज़मीनी बाध्यता नहीं है | ग्राहक वैश्विक तौर पर चुन सकते हैं, सभी बेचने वालो की तुलना कर सकते हैं बिना उनकी वर्तमान भोगोलिक स्थिति के |

सीधे ग्राहक को कंपनी से मिला देने के गुण से इ-कॉमर्स ने बिचोलियों को काफी कम कर दिया है, कुछ जगह तो समाप्त कर दिया है | इस तरह ग्राहक और कंपनी के बीच सीधा तार जुड़ जाता है, जिससे कंपनी ग्राहक को उसके पसंद के उत्पाद और सर्विस प्रदान कर सकती है|

इ-कॉमर्स कंपनी को ग्राहक के और करीब ले आता है | इससे प्रतिस्पर्धा भी बढती है और उत्पाद क्षमता भी | ग्राहक को बेहतर उत्पाद, बेहतर क्वालिटी, और बेहतर आफ्टर-सेल्स-सर्विस भी मिलती है | इ-कॉमर्स के इन नए तरीको से ग्राहक के पास एक 24 घंटे खुला रहने वाला वर्चुअल स्टोर हो गया है|

**कीमत में कमी**, इ-कॉमर्स की एक महत्वपूर्ण विशेषता है |

### 5.5.1 इ-कॉमर्स के प्रयोग:

सबसे प्रचलित इ-कॉमर्स एप्लीकेशन है:

**खुदरा एवं थोक व्यापार:**

खुदरा और थोक व्यापार में इ-कॉमर्स के कई इस्तेमाल है | इ-रिटेलिंग या ऑनलाइन रिटेल, व्यापार से ग्राहक को माल इलेक्ट्रॉनिक कैटलॉग और शौपिंग कार्ट मॉडल के माध्यम से बेचना है | एक साइबर मॉल या इ-मार्केटप्लेस ग्राहक और सेलर (Sellar) को एक वर्चुअल स्पेस में (एक वेब ब्राउज़र द्वारा) आकर्षित करते हैं |

**प्रचार:**

ग्राहक के व्यवहार, ज़रूरत और खरीदी के तरीको की जानकारी वेब और इ-कॉमर्स द्वारा जुटाई जा सकती है | यह प्रचार कार्यो जैसे कीमत तय करना, मोल-भाव करना, उत्पाद के फीचर में बदलाव एवं ग्राहक से साथ संबंधो में मदद करता है|

**फाइनेंस:**

इस प्रकार की कंपनियां इ-कॉमर्स का काफी उपयोग करती हैं | ग्राहक समस्त सेवाएं जैसे खाते का बैलेंस चेक करना, पेमेंट ट्रान्सफर करना, अपने बिल जमा करना इ-बैंकिंग या ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से आसानी से कर सकते हैं | इ-कॉमर्स का एक अन्य उपयोग है ऑनलाइन स्टॉक लेन-देन | काफी साइट्स कंपनियों के प्रोफाइल एवं उसके स्टॉक/ शेयर के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाती हैं |



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

**मैन्युफैक्चरिंग:**

इ-कॉमर्स किसी कंपनी के माल ढुलाई के सिस्टम को भी संभाल लेता है | कुछ कंपनियां एक प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक एक्सचेंज बना लेती है | इसमें सम्मिलित होता है माल का खरीदना – बेचना, व्यापार मार्किट की जानकारी, कार्यालय की जानकारी जैसे इन्वेंटरी कंट्रोल | कच्चा माल एवं तैयार माल की ढुलाई प्रोसेस इस प्रकार से तेज़ हो जाती है |

**बोली (ऑक्शन):**

ग्राहक-ग्राहक इ-कॉमर्स माल के सीधे सीधे ग्राहकों के बीच बेचने को कहते हैं | इसमें इलेक्ट्रॉनिक बोली भी शामिल है | बिडिंग एक प्रकार की बोली है जिसमे संभावित ग्राहक माल के लिए ऑनलाइन बोली लगा सकता है |

### 5.5.2 ऑनलाइन शौपिंग साइट्स:

आज लोगो के पास समय की कमी है और वह अपने काम में अधिक व्यस्त हो गए हैं | किसी अन्य काम के लिए बहुत कम समय बचता है और ऐसे में ऑनलाइन शौपिंग ही उनके लिए सबसे अच्छा माध्यम बनता है| स्मार्ट फ़ोन के आने से इन्टरनेट का उपयोग सरल हो गया है जिससे ऑनलाइन शौपिंग और प्रचलित हो गयी है | हिन्दुस्तान की कई ऑनलाइन शौपिंग साइट्स इस प्रकार प्रचलित हो गयी है जो ग्राहकों को लुभावने ऑफर दे कर आकर्षित करती रहती है |




चित्र 5.29– ऑनलाइन शौपिंग

ऑनलाइन शौपिंग एक तेज़, किफायती, आसान और मजेदार अनुभव प्रदान करता है | इसमें कई खूबियाँ है जैसे 24 घंटे शौपिंग, डिस्काउंट कूपन के साथ शौपिंग, घर बेठे शौपिंग, अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद इत्यादि |

**हिन्दुस्तान की प्रमुख ऑनलाइन शौपिंग साइट्स:**

- **फ्लिप्कार्ट.कॉम** (अब मयिन्त्रा के भी मालिक): 2004 में मात्र 4 लाख रूपए से शुरू, आज 60000 करोड़ रु. का सालाना टर्नओवर | यह एक मार्केटप्लेस है जहा किताबों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, कपडे, जूते आदि सब कुछ खरीद सकते हैं | यह हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी साईट है|
- **अमेज़न.इन**: यह दुनिया भर में इ-कॉमर्स में अव्वल हैं | अब हिन्दुस्तान में भी अपने व्यापार चालू कर दिया है | सभी प्रकार का सामान किफायती दरो में उपलब्ध है|




चित्र 5.30– ऑनलाइन शौपिंग



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

- **स्नैपडील.कॉम:** यह साईट आस पड़ोस के उत्पाद एवं सर्विसेज जैसे मसाज, भ्रमण, और रेस्तरां पर बेहतरीन ऑफर देती है| यह साईट अच्छी कीमत और मुफ्त कूरियर भी प्रदान करती है|
- **paytm.कॉम:** इसकी शुरुआत मोबाइल इ-वॉलेट के द्वारा मोबाइल रिचार्ज, बिल भुगतान आदि से शुरू हुई थी| अब यह साईट एक संपूर्ण मार्केटप्लेस की तरह सब कुछ बेच रही है | इसकी कम कीमत, इ-वॉलेट के बेहतरीन उपयोग के कारण, साईट ने बहुत कम समय में टॉप दस साइट्स में अपनी जगह बना ली है|
- **जबोंग.कॉम**: यह एक फैशन स्टोर है जो की हर आइटम पर अच्छा डिस्काउंट प्रदान करवाता है | कपड़ो और घर की साज सज्जा के सामान का बेहतरीन संग्रह इस साईट पर मिलता है|

**उपयोगी जानकारी**

टिप- Paytm प्लेटफार्म इ-वॉलेट कांसेप्ट में बड़ी क्रांति लाया हैं जहाँ ऑनलाइन transaction के लिए सीधे अपनी बैंक डिटेल शेयर करने की कोई आवश्यकता नहीं होती हैं. यह एक तरह का वर्चुअल वॉलेट हैं जो कैशबैक स्कीम के अतिरिक्त लाभ के साथ तुरंत पेमेंट की सुविधा देता हैं.

**त्वरित समीक्षा**

- भारत की सबसे बड़ी इ-कॉमर्स वेबसाइट कौनसी हैं ?
- इ-कॉमर्स के कितने प्रकार होते हैं ?
- भारत में ऑनलाइन शॉपिंग की प्रमुख वेबसाइट कौन कौन सी हैं ?

## 5.6 क्लाउड स्टोरेज:

यह एक तरीके का सर्विस मॉडल है जहा डाटा यूजर को नेटवर्क के माध्यम से प्रदान किया जाता है और डाटा को रिमोटली ही मैनेज, सार-संभल और बैकअप लिया जाता है|

क्लाउड स्टोरेज, डाटा स्टोरेज का एक मॉडल है, जहा डिजिटल डाटा लॉजिकल पूल में स्टोर किया जाता है | फिजिकल वातावरण को एक होस्टिंग कंपनी संभालती है | यह इन कंपनियों की ज़िम्मेदारी है की फिजिकल वातावरण सुचारू रूप से चलता रहे, डाटा हमेशा उपलब्ध रहे और सुरक्षित रहे | ग्राहक और कंपनियां अपना डाटा या एप्लीकेशन को स्टोर करने के लिए इस डाटा सर्विस को खरीद सकते हैं|



चित्र 5.31– क्लाउड स्टोरेज

क्लाउड स्टोरेज को पास में रखे हुए कंप्यूटर, वेब सर्विस एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस (API) या इस API का इस्तेमाल



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

करने वाली एप्लीकेशन, जैसे की क्लाउड डेस्कटॉप स्टोरेज, क्लाउड स्टोरेज गेटवे या वेब आधारित कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम के द्वारा एक्सेस किया जा सकता हैं|

**प्रचलित क्लाउड स्टोरेज सर्विस इस प्रकार है:**

- **गूगल ड्राइव**: गूगल क्लाउड स्टोरेज के साथ ऑफिस टूल्स भी प्रदान करता है | इसमें एक वर्ड प्रोसेसर, स्प्रेडशीट, प्रेजेंटेशन बिल्डर और 15 GB का स्टोरेज स्पेस भी मिलता है | अगर आपके पास गूगल अकाउंट है, तो आप आसानी से drive.google.com टाइप करके इसका इस्तेमाल कर सकते हैं | इस15 GB स्टोरेज में आप डाक्यूमेंट्स, चित्र, फोटोशोप फाइल इत्यादि अपलोड कर सकते हैं|

- **माइक्रोसॉफ्ट वन ड्राइव**: यह माइक्रोसॉफ्ट का उत्पाद है. जो विंडोज 8 या विंडोज 10 इस्तेमाल करते हैं, उनको वन ड्राइव विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम में सम्मिलित मिलता है | हालांकि इसे कोई भी इस्तेमाल कर सकता हैं बस उसे डेस्कटॉप एप्प डाउनलोड करनी होगी या एंड्राइड के लिए प्ले स्टोर से एप्प डाउनलोड करनी होगी या विंडोस फ़ोन और x-बॉक्स की एप्प डाउनलोड करनी पड़ेगी|

- **ड्राप बॉक्स**: यह सबसे पसंदीदा क्लाउड स्टोरेज है क्यूंकि इन्सका इंस्टालेशन आसान है, यह भरोसेमंद है और इस्तेमाल करने में एकदम सरल है | आपकी फाइल्स को क्लाउड के माध्यम से ऑनलाइन रखा जाता है तथा आप ड्रापबॉक्स वेबसाइट से कभी भी एक्सेस कर सकते है | विंडोज, मैक, एंड्राइड और लिनक्स के लिए उपलब्ध है|

- **बॉक्स**: बॉक्स पर व्यक्तिगत मुफ्त अकाउंट के लिए कोई भी साइन अप (sign up) कर सकता है| जहा दुसरे क्लाउड स्टोरेज सिर्फ फाइल स्टोर करने की सुविधा देते हैं, बॉक्स में आप फाइल दुसरे यूजर के साथ शेयर कर सकते है, किसी को काम दे सकते हैं और फाइल में हुए बदलाव की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं|

## उपयोगी जानकारी

टिप - क्लाउड स्टोरेज विभिन्न प्रकार की डिवाइस पर आपका कार्य/फाइल को सिंक्रोनाइज करने की लचीली सुविधा प्रदान करता है| ज्यादातर सभी मुख्य क्लाउड स्टोरेज प्लेटफार्म ऑफिस एप्लीकेशन टूल्स को अन्तर्निहित इनस्टॉल रखते है जिसकी वजह से आप अपनी फाइल्स को कहीं से भी क्रिएट,एडिट , ड्राफ्ट व पब्लिश कर सकते है|

## त्वरित समीक्षा

- क्लाउड स्टोरेज क्या है?
- क्लाउड स्टोरेज हेतु मुख्य रूप से कौनसे प्लेटफार्म (मंच) उपयोग में लाये जाते है?



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

## 5.7 इन्टरनेट उपयोग में बढ़ोतरी:

भारत में दिसम्बर 2015 तक इन्टरनेट का इस्तेमाल करने वालो की संख्या 402 मिलियन पहुँच जायेगी, पिछले साल के मुकाबले 49% ज्यादा, और चीन के बाद दुसरे नंबर के पायदान पर होगा (इन्टरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (IAMAI) व IMRB इंटरनेशनल मार्किट रिसर्च द्वारा जारी की गयी रिपोर्ट के अनुसार)|

दुनिया में चीन और अमरीका के बाद तीसरे नंबर पर भारत में 350 मिलियन इन्टरनेट उपभोगता हैं | रिपोर्ट के अनुसार, दिसम्बर 2015 तक भारत अपने 375 मिलियन यूजर के साथ अमेरिका से भी आगे निकल जाएगा | चीन अपने 600 मिलिअन उपभोगताओं के साथ अभी प्रथम स्थान पर है|

भारत में दिसम्बर 2015 तक 117 मिलियन सुचारू इन्टरनेट उपभोगता है जो की जून 2016 तक 147 मिलियन पहुँच जायेंगे |इसका कारण मोबाइल के बढ़ते उपयोग और बेहतर इन्टरनेट सुविधा है|

इन्टरनेट इस्तेमाल करने के लिए मुख्य रूप से मोबाइल का प्रयोग गाँव में 2014 में 38% से 2015 में 60% तक पहुच गया है| इन्टरनेट उपयोग करने के लिए सार्वजानिक स्थलों ऐसे साइबर कैफ़े का प्रयोग एक साल में 26% से 6% रह गया है|

IAMAI-KPMG के अनुमान अनुसार 2017 तक भारत में 500 मिलियन इन्टरनेट उपभोगता हो जायेंगे | मोबाइल पर इन्टरनेट उपयोग करने वालो की संख्या दो साल में 314 मिलियन हो जायेगी|

| Category | Website Example | Site Address |
|---|---|---|
| म्यूजिक सुनना | Gaana | www.gaana.com |
| यू tube विडियो डाउनलोड करना | YouTube | www.youtube.com |
| SMS भेजना | Way2SMS | www.way2**sms**.com/ |
| ऑनलाइन बैंकिंग | Online SBI | https://www.**online**sbi.com/ |
| मूवी टिकट बुक करना | Bookmyshow | www.bookmyshow.com |
| ट्रेन टिकट बुक करना | IRCTC | https://www.**irctc**.co.in/ |
| ऑनलाइन टीवी | Hotstar | http://www.hotstar.com/ |
| रिचार्ज या बिल भरना | PayTM | https://paytm.com/ |
| ऑनलाइन शिक्षा | Khan Academy | https://www.khanacademy.org/ |
| ऑनलाइन जॉब्स | Monster India | www.monsterindia.com |
| इ-शॉपिंग | Flipkart | www.flipkart.com |
| ऑनलाइन प्रॉपर्टी | Magic Bricks | www.**magicbricks**.com/ |

टेबल **5.1** प्रचलित इन्टरनेट वेबसाइट

### उपयोगी जानकारी

टिप - ऑनलाइन बैंक transaction करते हुए हैकर्स द्वारा साइबर चोरी से बचने के लिए बैंकिंग आई डी और पासवर्ड को संभाल कर रखना चाहिये. आपको हमेशा अपने PC पर अपडेटेड एंटीवायरस का उपयोग करना चाहिये और वेब पर अपनी कांटेक्ट डिटेल्स पब्लिक नहीं करनी चाहिये

### त्वरित समीक्षा

- इन्टरनेट के विभिन्न उपयोग क्या हैं ?
- रेल टिकट बुकिंग के लिए आप कौनसी वेबसाइट का उपयोग करोगे ?
- इन्टरनेट का उपयोग करते हुए आप SMS कैसे भेजोगे ?



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL

## बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. दोस्तों और सम्बन्धियों के साथ नेटवर्क बनाने के लिए उपयोग में आने वाली वेबसाइटों को कहते हैं:-

   a. नेट बैंकिंग  b. ब्लॉगिंग

   c. सोशल नेटवर्किंग  d. कॉमर्स

2. कुछ खरीदने और बेचने के लिए काम में आने वाली वेबसाइट किस केटेगरी की होती हैं:-

   a. एंटरटेनमेंट साइट्स

   b. सोशल नेटवर्किंग साइट्स

   c. सर्च इंजन

   d. इ-कॉमर्स वेबसाइट

3. गूगल एक उदाहरण हैं:-

   a. सर्च इंजन  b. सोशल नेटवर्किंग

   c. एंटरटेनमेंट  d. इनमें से कोई नहीं

4. निम्न में से माइक्रो ब्लोगिंग का एक उदाहरण हैं :-

   a. ट्विटर  b. गूगल

   c. जीमेल  d. इन्स्ताग्राम

5. ऑनलाइन शॉपिंग किस प्रकार के transaction का एक उदाहरण हैं?

   a. B2B  b. B2C

   c. C2C  d. इनमे से कोई भी नहीं

6. निम्न में से कौनसा सर्च इंजन माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित किया गया हैं?

   a. बिंग  b. याहू

   c. गूगल  d. अल्ता विस्टा

7. अमेज़न एक प्रकार की साईट का उदाहरण हैं:-

   a. इ-कॉमर्स  b. सोशल नेटवर्किंग

   c. एंटरटेनमेंट  d. ब्लॉगिंग

8. नेटवर्क कनेक्शन डिवाइस का एक उदाहरण हैं?

   a. हब  b. स्विच

   c. प्रोसेसर  d. a & b दोनों

9. B2B कॉमर्स की फुल फॉर्म हैं:-

   a. Business to Business

   b. Blog to Blog

   c. Bank to Bank

   d. Bank to Business

10. क्लाउड स्टोरेज प्लेटफार्म का एक उदाहरण हैं:-

    a. गूगल ड्राइव

    b. माइक्रोसॉफ्ट वन ड्राइव

    c. ड्राप बॉक्स

    d. उपरोक्त सभी

RS-CIT
एक परिपूर्ण कंप्यूटर कोर्स !
www.rkcl.in



© Only for circulation through authorised IT Gyan Kendra of RKCL